हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 29 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

ग्राम बिनैका में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

मण्डला। शनि मंदिर नर्मदा कुटी चांदनी चौक बिनैका में पंडित श्री संतोष शास्त्री जी सिल्गी वाले के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराया जाएगा कल 28 मई को श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा निकाली गई जो पूरे गांव में भ्रमण करती हुई शनि मंदिर में जाकर संपन्न हुई बड़ी संख्या में भक्तगण इस शोभायात्रा में शामिल हुए यह आयोजन शनि मंदिर महिला मंडल के द्वारा कराया जा रहा है महिला मंडल ने सभी भक्तगणों से कथा में पहुंचकर धार्मिक लाभ उठाने की अपील की है।

बजरंग दल का महाकौशल प्रांत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल का महाकौशल प्रांत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 24मई से 29 तक किया गया जिसमें महाकौशल प्रांत के सभी जिलों के युवाओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसका आज समापन कार्य कम मुख्य अतिथि राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अधिकारियों की उपस्थिति में सफल हुआ जिसमें मंडला जिले से ,जिला अध्यक्ष श्री राम गोपाल यादव, जिला महामंत्री श्री प्रवीण यादव जी,जिला सह मंत्री राहुल कुशवाहा, जिला कार्य अध्यक्ष सुनील कछवाहा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे

कार्य प्रारंभ न करने पर होगी राशि वापिस

मण्डला। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) बी.एल.सी. घटक के अंतर्गत ऐसे हितग्राही जिनको आवास योजना की प्रथम किस्त प्राप्त हो चुकी है उन्हें नोटिस, सूचना पत्र कार्य प्रारंभ करने हेतु जारी किया गया है। वे निर्माण कार्य प्रारंभ कर निकाय को सूचित करते हुये 7 दिवस में प्लींथ, लेंटर लेबल तक कार्य पूर्ण करें। ऐसे हितग्राही जिनको आवास योजना के द्वितीय किस्त (दो लाख) रूपये प्राप्त हो चुके हो आगामी 7 दिवस में आवास के सामने छपाई-पुताई एवं पी.एम.ए.वाय. का लोगो नाम सहित कार्य कराकर निकाय को सूचित करें जिसमें कम्पलीट लेबल की जियो टेगिंग की जा सके। उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य न करने पर प्रकरण सरेंण्डर, निरस्त करते हुये राशि वापसी एवं राशि वापसी न करने की स्थिति में संपत्ति कुर्की की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

मूंग, उड़द उपार्जन हेतु पंजीयन के लिए 20 केन्द्र निर्धारित

मण्डला। केंद्र सरकार की मूल्य समर्थन योजना के तहत विपणन वर्ष 2024-25 के लिए मूंग एवं उड़द फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उर्पाजन हेतु पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। जिले के किसान सहकारी समितियों, एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा गारंटी से 5 जून तक पंजीयन करवा सकते हैं। पंजीयन करने से पहले किसानों के द्वारा नंबर का वेरिफिकेशन लिंक्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी या बायोमेट्रिक डिवाइश से किया जाना आवश्यक है। पंजीयन के समय किसानों को बैंक खाते और आईएफएससी कोड की जानकारी भी उपलब्ध करवानी होगी। किसानों का पंजीयन भू अभिलेख में दर्ज खाता एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार में दर्ज नाम से होने पर ही हो सकेगा।

इस सीजन का सबसे गरम दिन रहा 28 मई

गरम हवाओं और लू ने किया लोगों को बेहाल, पारा पहुंचा 44.6

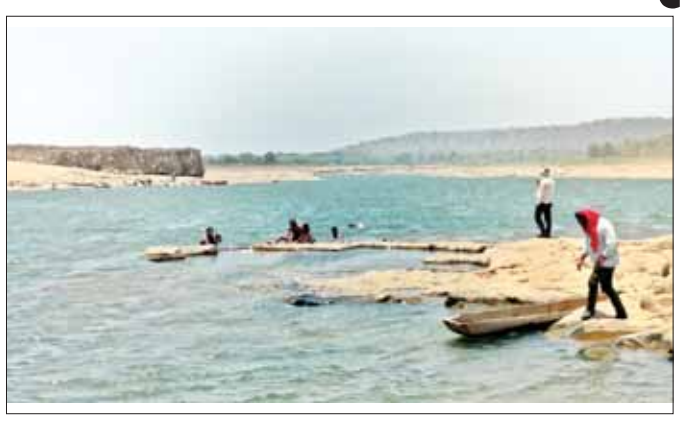

मण्डला। विगत दो माह से सूर्यदेव अपने तेवर दिखा रहे है। पारा 40 डिग्री के पार चल रहा है। चढ़ते पारे से गर्मी ने हाल बेहाल कर रखा है। गरम हवाओं के थपेड़ों से न दिन को राहत और न रात को सुकून मिल रहा है। नौतपा में तापमान लगातार चौथे दिन 45 डिग्री को छूने के लिए बेताब दिखा। मंगलवार को सुबह से ही बेचैन कर देने वाली गर्मी रही और दोपहर में इसने पूरे जिले को हिला कर रख दिया।

जानकारी अनुसार इस वर्ष गर्मी पिछले सारे रिकार्ड तोडने पर अमादा है। वर्ष 2022 के नौतपा में 25 मई से 31 मई तक 36 से 40 डिग्री सेल्सियस पारा दर्ज किया गया था। वहीं वर्ष 2023 में 39 डिग्री से 40 डिग्री के बीच पारा रहा। विगत वर्षों में नौतपा में पारा 41 के पार नहीं पहुंचा, लेकिन इस वर्ष सूर्यदेव की तेज तपन और बेतहाशा गर्मी ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ रही है। तापमान 45 पार करने व्याकुल दिख रहा है। रोजाना अधिकतम तापमान बढ़ रहा है। जिससे आमजन बेहाल नजर आ रहे है।

आमजनों का कहना है कि इस वर्ष गर्मी बेकाबू हो गई है और आसमान से आग बरस रही है। सुबह से लेकर रात तक गर्म हवा के थपेड़े पड़ रहे है। इस गरम हवाओं से लोगों का हाल बेहाल है। तेज तपन से सुकून नहीं मिल पा रहा है। विगत एक पखवाड़े से सुबह होते ही भीषण गर्मी का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। पंखे और कूलर राहत नहीं दे रहे है। गर्मी के कारण नवजात बच्चे अधिक परेशान हैं।

45 डिग्री को छूने बेताब हुआ पारा

दिनांक	न्यूनतम	अधिकतम
21 मई	25.4	42.0
22 मई	25.0	41.2
23 मई	23.6	41.0
24 मई	25.0	42.3
25 मई	27.0	41.6
26 मई	25.8	43.2
27 मई	23.5	44.5
28 मई	25.0	46.6

एसी, कूलर दे रहे जबाव :

मंडला जिले का अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। यह इस सीजन का सबसे अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान के लगातार बढने से लोगों बेहाल है। तेज लू के चलते लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। तेज धूप और लू से भवनों की दीवारों के साथ सड़कें भी आग उगल रही है। सड़कों पर निकलते ही ऊपर आसमान से आग के गोले गिर रहे है, सड़क की तपन लोगों को आग की भट्टी के पास से निकलने का अहसास दिला रही है। इस गर्मी में एयर कंडीशनर और कूलर तक जवाब दे रहे हैं। चल रही लू लोगों का बदन झुलसा रही है। घरों में लगे एसी और कूलर फेल हो रहे हैं। एसी में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

करंट की चपेट में आया था तेंदुआ शिकारियों को कठोर कारावास

मण्डला। वन्यप्राणी के शिकारियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमति ज्योति डोंगरे शर्मा की न्यायालय द्वारा कारावास के साथ एक लाख रूपए के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है। तेंदुआ के शिकारी आरोपी सुखलाल पिता मंगलू उइके 38 वर्ष, चैतलाल पिता फागू धुर्वे 66 वर्ष, जेटू पिता समारू परते 58 वर्ष, चरन पिता पदम उइके 24 वर्ष सभी निवासी कपोटबहरा खटिया मंडला को धारा 51(1) वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत में 05-05 वर्ष का कठोर कारावास एवं कुल एक लाख रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

जानकारी अनुसार विगत वर्ष 26 जुलाई 2023 को सुबह 7.10 बजे वन गस्ती दल को वनक्षेत्र आरएफ-787 के अंदर कुछ दूरी पर एक गाय भागते हुए नजर आई। गश्ती दल ने घटना की आशंका पर उक्त स्थल पर जाकर देखा तो झाडियों के बीच एक तेंदुआ मृत अवस्था में पड़ा था। गश्ती दल प्रभारी लक्ष्मी प्रसाद सोनी, वनरक्षक बीट प्रभारी सूरपाटी द्वारा तत्काल इसकी जानकारी दूरभाष से परिक्षेत्र सहायक राता एवं परिक्षेत्र अधिकारी बम्हनी को को दी। वनरक्षक

शिकारियों को एक लाख रूपये के अर्थदण्ड से भी किया दण्डित

द्वारा बताये घटना स्थल पर पहुंचकर सूक्ष्मतापूर्वक मृत वन्यप्राणी नर तेंदुआ के शरीर के सभी बाह्य अंग सुरक्षित पाये गये।

सेंटिंग की तार से खेत में लगाया था करंट :

पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण करेंट लगना बताया गया। जिसके बाद 27 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि अभियुक्त चैतलाल पिता फागू धुर्वे निवासी कपोटबहरा को बम्हनी परिक्षेत्र कार्यालय बुलाया गया एवं पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान चैतलाल द्वारा अपने तीन साथी सुखलाल पिता मंगलू उइके, जेठू पिता समारू परते, चरण पिता पदम उइके के साथ 24 जुलाई 2023 की रात्रि 7 से 8 बजे भगत के खेत स्थित खम्भे से सेंट्रिग तार बांस की खूंटियों के सहारे करेंट फैलाया गया। इस करंट में नर तेंदुआ 24 व 25 जुलाई की दरमियानी रात करीब 2 से 3 बजे के बीच फंस गया। जिससे तेंदुआ की मौत हो गई।

आरोपियों को कठोर दण्ड से किया दण्डित :

पूछताछ में शिकारियों ने करंट फैलाया जाना काबू किया। इसके बाद परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष चन्द्रवंशी बम्हनी द्वारा उपवन मंडलाधिकारी महाराजपुर से चैतलाल, सुखलाल एवं जेठू के घरों की तलाशी के लिए तलाशी पत्र जारी कराया एवं परिक्षेत्र सहायक राता दिनेश मरावी को तलाशी करने के लिए निर्देश दिए गए। संपूर्ण जांच के बाद परिवाद पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होते हुए विचारण के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंडला द्वारा वन्यप्राणियों से संबंधित अपराधों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए न्यायालय द्वारा आरोपीगणों को कठोर दण्ड से दण्डित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण में पैरवी अभियोजन संचालन सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रमेशचन्द्र मिश्रा द्वारा की गई।

संस्कार युक्त शिक्षा आज की आवश्यकता -डॉ आनंद

प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन

मण्डला। विद्या भारती महाकौशल प्रांत द्वारा विगत दिवस आयोजित शिशु वाटिका सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन 28 मई को जिला केन्द्र मंडला में संपन्न हुआ। प्रांत के 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 8 संभाग के 24 जिलों से नगरी व ग्राम भारती के 65 प्रशिक्षार्थी ने ईसीसीई पैटर्न पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रांत की 8 प्रशिक्षित दीदीयो द्वारा गतिविधि आधारित प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण पूर्णतया आवासीय रहा। प्रशिक्षण में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ आनन्द ने भी अपना मार्गदर्शन दिया।

सह संगठन मंत्री डॉ आनन्द ने मातृ शक्तियों को संबोधित करते हुए कहां कि प्रथम गुरु मां से बच्चे को जो पारिवारिक वातावरण में संस्कार व ज्ञान प्राप्त होता है उसकी जीवंत श्रृंखला शिशु मंदिर की शिक्षा पद्धति में है, जिसमें सीखने पर विशेष जोर दिया जाता है। वर्तमान मे आवश्यकता संस्कार युक्त शिक्षा की है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रारंभिक क्षेत्र की शिक्षा के मध्य क्षेत्र के प्रमुख रामबहोरी पटेल, रानी दुर्गावती शिक्षा प्रबंधन समिति अध्यक्ष विनायक रामचंद्र तांबे, वर्ग कार्यवाहीका संतोषी सोनी, विशिष्ट अतिथि एवं शिशु वाटिका क्षेत्र प्रमुख प्रभात सिंह ने विशिष्ट अतिथि श्रृंखला को सुशोभित किया।

प्रशिक्षण में 10 शिक्षार्थी दीदियों ने लिखित परीक्षा के मूल्यांकन में टॉप टेन में अपना स्थान बनाया हैं। जिसमें प्रथम स्थान पर मंडला विद्यालय से श्रीमती शिखा दुबे रहीं। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के अंतिम संध्या में सभी शिक्षार्थी दीदियों ने संस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा की बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिशु मंदिर की शिक्षण विधि की सराहना करते हुए कहा कि आज समाज में छाई कुरीतियों को रोकने के लिए संस्कारी शिक्षा व व्यक्ति का निर्माण आवश्यक है, तो अन्य अतिथियों और समिति के सदस्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शिक्षार्थी दीदियों और आचार्यों को विद्यालय की स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर समस्त प्रशिक्षण आरती एवं प्रशिक्षितों को स्मृति चिन्ह शिवम विद्यालय की इस्मारिका स्वर्ण विहान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी को सम्मानित करते हुए वर्ग के सर्व व्यवस्था प्रमुख अरविंद शर्मा व्यवस्थापक राजेश ज्योतिषी, प्रफुल्ल मिश्रा, संजय मिश्रा, पूरन सिंह ठाकुर, योगेश श्रीवास्तव, विनोद सुरेश्वर, रामास्त्र चन्दरौल, रेखा चौरसिया आदि समस्त समिति के पदाधिकारी का सहयोग रहा। विद्यालय के समस्त आचार्य एवं दीदियो की वेदों की सशक्त मेहनत के प्रयासों से वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्था प्रचार्य कमलेश अग्रहरि ने सभी का साधुवाद व्यक्त किया एवं सभी से अपेक्षा की भविष्य एसे ही विद्यालय परिवार का सहयोग प्रदान करते रहे।

दो किलोमीटर दूर से लाते हैं पानी

मण्डला। गरम पानी कुंड बबैहा से 2 किलोमीटर दूर नर्मदा तट जंगलो के बीच स्थित है। जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। भीषण गर्मी में अप्रैल माह से यहां पीने के लिए पेयजल की असुविधा हो रही है। गरम कुंड की व्यवस्था बनाते हुए पूर्व कलेक्टर केके खरे ने कुंड का निर्माण कराया था। लेकिन पेयजल व्यवस्था न होने से गर्मी जैसे दिनो में लोगों को भटकना पड़ रहा है। गरम पानी कुंड आश्रम में रहने वाले सुरेशानंद ने बताया कि यहां पर दो डिब्बे पानी बबैहा से मंगवाता हूं। जिससे मै उपयोग करता हूं। बाहर से आने वाले पर्यटको को पेयजल की असुविधा होती है। जिनको ज्यादा आवश्यकता होती है मेरे डब्बे से ही एक दो ग्लास पानी दे सकता हूं। में वृद्ध हूं खुद नहीं ला सकता, मैं दूसरो को आवेदन निवेदन करके पानी बुलवाता हूं। ग्राम पंचायत से भी यहां पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है। जिला प्रशासन से मांग की गई है कि गरम पानी कुंड में पेयजल की व्यवस्था की जाए। जिससे आने जाने वालो को पेयजल की समुचित व्यवस्था हो सके। ग्रामीणो ने बताया है कि बरगी बांध में वर्षा ऋतु में चारो ओर पानी भर जाता है। जिससे नाले नदी सब भरपूर भरे रहते है। गर्मी के दिनो में पानी नीचे उतर जाता है। आस-पास मिट्टी की दल दल जमी होती है। पानी के लिए मवेशी जाते हैं तो फंस जाते हैं। जिससे उनकी जान तक चली जाती है। मांग की की गई है कि जहां मिट्टी की सिल्ट जमी है वहां पर तारो की फेंसिग करा दी जाए। ताकि मवेशियों को मौत से बचाया जा सके।

छात्रवृत्ति भुगतान की कार्यवाही जल्द पूर्ण करें - डॉ. सिडाना

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मण्डला। समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति के भुगतान की कार्यवाही जल्द पूर्ण करें। छात्रवार समीक्षा करते हुए समस्याओं का चिन्हांकन कर निदानात्मक कार्यवाही करें। सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी संबंधित संस्थाओं में भ्रमण करते हुए कार्य में प्रगति लाएं। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, समस्त एसडीएम तथा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. सिडाना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति से जुड़े प्रकरणों को बैंकर्स भी प्राथमिकता के साथ एक सप्ताह में निराकृत करें। विभागीय जांच के शेष बचे प्रकरणों को 30 मई तक पूर्ण करें तथा आदेश की प्रति कार्यालय कलेक्टर में जमा करें। वनग्रामों की सूची फसल बीमा पोर्टल पर जोड़ने की कार्यवाही करें ताकि वन ग्राम के किसान भी फसल बीमा का लाभ ले सकें। गिरदावरी के कार्य को जल्द पूर्ण करें। मूंग, उड़द उपार्जन के लिए पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं जिसकी जानकारी किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरण, खाद्यान्न उठाव, समग्र ईकेवाईसी, आयुष्मान पंजीयन, स्वामित्व योजना,टीएल प्रकरण आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

टीम बनाकर करें प्राईवेट अस्पतालों की जाँच

बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में संचालित सभी प्राईवेट अस्पतालों में टीम बनाकर फायर एनओसी आदि की जाँच कराएं। सभी अस्पतालों में शासन के सुरक्षा संबंधी निर्देशों का अक्षरशः पालन कराएं। इसी प्रकार समस्त एसडीएम अपने क्षेत्रांतर्गत एडवेंचर पार्क, गेमिंग जोन एवं वेकेंट हॉल आदि की जांच कराना सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने की स्थिति में संबंधितों पर नियमानुसार कार्यवाही करें।

पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण करें

पेयजल की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि जिला, अनुविभाग एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए त्वरित पहल करें। कंट्रोल रूम को प्रभावी बनाएं। आवश्यकतानुसार नलजल योजनाओं तथा हैंडपंपों में सुधार कराएं। कलेक्टर ने हालोन परियोजना की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

'लक्ष्य' के मापदंड पूर्ण कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएं - डॉ. सिडाना

मण्डला। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जिला चिकित्सालय मंडला, सिविल अस्पताल नैनपुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिछिया में लक्ष्य असेसमेंट की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने इन्टरनल असेसमेंट के आधार पर प्रसूति कक्ष एवं मेटरनिटी ओटी में उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य कार्यक्रम के तहत निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएं। कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में सीएमएचओ डॉ. केसी सरौते, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

असेसमेंट को सकारात्मक रूप में स्वीकार करें कलेक्टर ने कहा कि यह कार्यक्रम रिस्पेक्टफुल मेटरनिटी केयर के लिए आवश्यक है, जिसमें पूरी गंभीरता से कार्य करें। लक्ष्य कार्यक्रम के अनुरूप मापदंड पूरा करते हुए गर्भवती महिलाओं को बेहतर उपचार एवं सेवाएं प्रदान करें। विभागीय इंजीनियर रोस्टर तैयार कर स्वास्थ्य केन्द्रों का भ्रमण करें तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर में आवश्यकतानुसार सुधार कार्य सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि राज्य स्तरीय टीम द्वारा किये जाने वाले असेसमेंट को सकारात्मक रूप में स्वीकार करें तथा चिन्हित कमियों को दूर करें। चिकित्सक वार्डों में राउंड लें तथा केसशीट को पूर्ण करें डॉ. सिडाना ने कहा कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक नियमित रूप से वार्डों में राउंड लेते हुए केसशीट को अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। स्वास्थ्य केन्द्रों में पावर बेकअप का इंतजाम रखें। जिला चिकित्सालय के वार्डों में अटेंडर की संख्या कम करें। मरीज के परिजनों के बैठने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। कलेक्टर ने नैनपुर तथा बिछिया के स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

मतगणना स्थल पर तीन स्तर पर रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

मण्डला। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले की बिछिया, निवास एवं मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 4 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला में की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने मतगणना स्थल का निरीक्षण करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। प्रत्येक कमरों में कूलर, पंखें एवं एक्जास्ट फेन की व्यवस्था करें। सभी कक्षों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। बिजली की आपूर्ति निर्बाध रखना सुनिश्चित करें। मतगणना स्थल पर अस्थाई अस्पताल बनाएं जिसमें आवश्यक दवाईयों सहित चिकित्सकों की ड्यूटी लगाएं। उन्होंने कहा कि मतगणना कक्ष में गणना अधिकारी तथा अभिकर्ताओं के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था करें। उन्होंने ईव्हीएम लाने ले जाने के मार्ग के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि अभ्यर्थी, अभिकर्ता एवं गणना अधिकारियों की सुविधा की दृष्टि से मतगणना स्थल पर पर्याप्त मात्रा में संकेतक लगाएं।

रजिस्ट्री संबंधित दस्तावेज गुमे

मैं राजकुमार परस्ते निवासी ग्राम खिन्हा रपटा विकासखंड निवास का रहने वाला हूं मेरी मकान की रजिस्ट्री संबंधित दस्तावेज मंडला में कहीं आते.जाते गुम हो गए हैं जिस किसी सज्जन को मिले कृपया इस मोबाइल नंबर 7489081055 पर संपर्क करने का कष्ट करें।

राजकुमार परस्ते
मो. नं.-7489081055

खबर संक्षेप

शहर के तरबूज खरीद लोग कर रहे शक्कर नदी की ककड़ी को याद

गाडरवारा। किसी दौर में शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी की धाराएं गर्मी के दिनों में भी प्रवाहित रहकर आमजनों को आकर्षित करती थीं। किन्तु संबंधित प्रशासन की तथा कथित सेवाभावी सामाजिक संस्थाओं की उपेक्षा की बजह से पर्यावरण को संतुलित रखने वाली शक्कर नदी चल रहे बीते हुये अप्रैल माह के पहले ही सूख चुकी है और गर्मी के दिनों में नगर की शक्कर नदी में स्नान करने के शौकीन शहरवासी उदास नजर आ रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जल विहीन शक्कर नदी की दुर्दशा होने के कारण इस नदी में खरबूज, तरबूज की पैदावार भी प्रभावित हुई है। गौरतलब है कि कभी नगर की जीवन रेखा शक्कर नदी के तट पर गर्मी के मौसम में मीठे स्वादिष्ट तरबूज, खरबूजों की भरपूर पैदावार होती थी जिसके चलते शहर के रहवासी तो इन तरबूजों के दीवाने थें ही साथ ही साथ बाहर भी ट्रकों के माध्यम से यहां के तरबूज, खरबूज जाते थें, इसके आलवा शक्कर नदी में गजब की मिठास वाली शक्कर ककडी की भी पैदावार होती थी। बताया जाता है कि वर्तमान में बाजार में शक्कर नदी में उपजे तरबूज, खरबूजों की जगह बाहर से आने वाले तरबूजों की बादशाहद चल रही है, जिन्हें शक्कर ककड़ी को याद करते हुए इन दिनों लोग मजबूरीबस खरीद नपा से अपेक्षा जता रहे है कि वह बदहाल हो रही शक्कर नदी की दुर्दशा दूर करने की पहल कर नगर की शाल माने जाने वाले शक्कर नदी में पुनः रौनक स्थापित की जावे।

शासकीय चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को लेकर हर वर्ग का व्यक्ति परेशान

गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सुचारू इलाज व्यवस्था बनाने के लिए धन खर्च करते हुए जहां तहा शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ साथ गरीबों की दबा के लिए सहायता कर रही है,वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि स्थानीय शासकीय चिकित्सालय की व्यवस्था को लेकर कर सरकार की मंशा कही से भी पूरी होती नजर नही आ रही है। बताया जाता है कि गाडरवारा में स्थिति शासकीय चिकित्सायल को जहां तहसील स्तर की अस्पाताल का दर्ज होने के कारण सौ विस्तर बाली बना डाली है। मगर यहां पर पदस्थ कर्मचारियों की कमी व उनकी मनमानी के चलते लोगों की सही लाभ मिलता नजर नही आ रहा है। अक्सर देखा जाता है कि जब मरीज अपना इलाज कराने के लिए चिकित्सालय पहुंचते है तो उन्हें डाक्टरों का घंटो इंतजार करना मजबूर होना पड़ता है और यदि कोई गंभीर स्थिति का मामला होता है तो उसका तो भगवान ही मालिक होता है कि समय पर मौजूद डाक्टर मिल जावे तो उसकी जान बच जावे? आम जन की माने तो यहां पर पदस्थ अनेक डाक्टरों की स्थिति यह बनी रहती है कि वह अपनी डियूटी टाईम पर उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर कर अपने घरों में निजी प्रेक्टिस करने में लगे होते है? जिसके कारण चिकित्सालय भवन में जहां तहा मवेशी घूमते नजर आते है। यह हाल आये दिन चिकित्सालय में देखने मिलता रहता है। इस तरह लगातार बिगड़ ही शासकीय चिकित्सालय की व्यवस्था को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनधियों सहित प्रशासन में बैठे अधिकारियों से अपेक्षा जताई है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा जिस मंशा से गरीबों का भला करने स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं संचालित की जा रही है उनका लाभ मिलते हुए नजर नही आ रहा है। जबकि संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय समय पर स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचकर देखना तो चाहिए की उनका संबंधित विभाग अधिकारी उनके आदेशों का पालन कर रहे है कि नही? सच्चाई अपने आप स्पष्ट हो जावेगी।

सूर्यदेव बरसा रहे आग, चल रहे नौतपा के दौरान लोग हो रहे बेहाल

गाडरवारा। इस समय भीषण गर्मी के चल रहे दौर में तापमान में जहां इजाफा हो रहा है। वही सुबह 10 बजे के बाद से सूर्यदेव के आग बरसाने से देखा जा रहा है कि दोपहर में शहर के वार्डो की गलियों व बाजार में सन्नाटा फैलने से नही चूक रहा है।

76 करोड़ की राशि से निर्मित सूखाखैरी- बारहाबड़ा से होते हुये सालीचौका सीमेन्ट रोड

निर्माण के दो साल में ही जहां तहां से टूटना हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा।

जहां विकास के नाम पर करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है। मगर विकास कार्य के दौरान अधिकारियों द्वारा बरते जाने वाली उदासीनता का परिणाम इस तहर से देखने मिलता है कि शासन की राशि बर्बाद होने से नही चूक पाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका तक लगभग 76 करोड़ रूपया की लागत से निर्मित हुई सीमेन्ट सड़क को देखते हुये जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि इस सीमेन्ट सड़क गुणवत्ता को लेकर तो सबाल निर्माण के शुरूआती दौर में ही उठनान शुरू हो गये थें? क्योंकि जब इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था तो उस दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा छोटी मोटी पुलियों के निर्माण से शुरूआत की गई थी। जिसके चलते ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही होने से निर्माण कार्य की सच्चाई उजागर होते हुये दिखाई पड़ने से नही चूक पा रही थी? इस सच्चाई को उस दौरान हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर किया गया था। मगर संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह देखने मिला कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा करोड़ो की राशि से बनने वाली इस सड़क निर्माण में अपनी मनमानी के सभी हदे पार करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी? सीमेन्ट सड़क की एक ओर की पट्टी बनने के बाद जब दूसरी ओर की पट्टी का कार्य शुरू ही हुआ था और हाल में में निर्मित की गई सड़क की पट्टी जहां तहासं से चिटकते हुये दिखाई देकर अपनी गुणवत्ता को उजागर करने लगी थी यानि की सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण ही नही हो पाया था कि निर्माणाधीन सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारे तथा चटकती हुई सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की सच्चाई को खुलकर उजागर करते हुये देखी जा रही थी। उस दौरान इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां करोड़ो की राशि से बनी यह सड़क निर्माण के दौरान से अधिकारियों की अनदेखी व निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की मनमानी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाई है? इतना ही नही यदि 76 करोड़ रूपया की लागत से बनाई गई इस सड़क के अन्य निर्माण कार्यो पर नजर डाली जावे तो सड़क निर्माण के दौरान सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका के बीच सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य करने के साथ साथ बीच में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कार्य भी इसी में शामिल होने की चर्चा सुनी जा रही है? मगर इन नव निर्मित पुलिये जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से चटकते हुये देखी जा रही थी और वर्तमान समय में यानि की इस निर्माण को अभी पूरा दो साल का समय भी नही बीत पाया है और पुलियों के आलवा सड़क में जहां तहां निकल रहे गड्ढे निश्चित तौर से संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक पा रहे है तो दूसरी ओर पुलियों के ऊपर का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की सामग्री सड़क के बीचों बीच निकलते हुये अपनी गुणवत्ता को उाजागर करने के साथ साथ बड़ी दुर्घटनानओं को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है? वही बताया जाता है कि सड़क निर्माण का कार्य जिस प्रकार से पुलियों का नया निर्माण करने की जगह कंपनी द्वारा पुराने पुल व पुलियों के भरोसे ही पूर्ण किया जाना संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ग्राम बारहाबड़ा के समीप ऊमर नदी पर बने हुये पुल जिसके निर्माण को दो साल बीत जाने के कारण जहां यह पुल जर्जर स्थिति में पहुंच जाने के बाद भी इस पुल का पुनः निर्माण होने की जगह मात्र उसे रंग रोकन करते हुये इस 76 करोड़ा रूपया की सड़क की जिन्दगी इस पुल के भरोसे ही छोड़ दिये जाने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि शासन की करोड़ो रूपया की राशि खर्च हो जाने के बाद जहां सड़क के साथ साथ अनेक पुल व पुलिया मात्र एक साल के अंदर ही टूटना शुरू हो चुकी है तो दूसरी ओर सड़क पर जहां जहां तहां निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको को खुलेआम मौत का आमंत्रण देने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से सरकार द्वारा क्षेत्रवासियों को यातायात के लिये अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने व युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त करने की सोच को ध्यान में रखते हुये ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ की लागत से सीमेन्ट सड़क का निर्माण कराया गया है। वह निश्चित तौर से विभाग के अधिकारियों की अनदेखी व मिली भगत के चलते तथा क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण निश्चित तौर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से नही चूक पाया है? क्योंकि करोड़ो रूपया की राशि से निर्मित हुई यह सीमेन्ट सड़क जिस तरह दो साल का समय भी पूरा करने के पहले जहां तहां से टूटते हुये देखाई देना शुरू गई थी वह अब जहां तहां बडे गड्ढे के रूप में दिखाई देने लगी है तो अनेक जगहों पर निकल रही लोहे की राडे राहगीरों के लिये खुलेआम मौत का सायरन बजाने से नही चूक रही है? यदि इस नव निर्मित सीमेन्ट सड़क के निर्माण को लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस तरह सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत की गई थी उसी दौरान गुणवत्ता को लेकर चर्चाओ आने से नही चूक पाई थी। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो यहां के जिम्मेदारों द्वारा ध्यान दिया गया है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के लिये शासन से मिली करोड़ो की सौगात मात्र बंदर बांट की भेट चढ़कर बर्बाद होने से नही बच पाई है? यदि इस समय भी क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा टूट रही सड़क की सच्चाई पर अपनी गंभीरता का परिचय देते हुये लगभग दो साल पहले निर्मित हुई सड़क की निष्ठा के साथ जांच कराने के लिये आगे आये तो निश्चित तौर से इस सड़क के निर्माण में हुई गफलत बाजी उजागर होने से नही बच पायेगी।

पुलिस को चुनौती देते हुये वाहन के माध्यम से दिया जा रहा है चोरी की घटनाओं को अंजाम

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। अक्सर सुना जाता है कि चोरों द्वारा छप्पर के खपरे निकालते हुये या फिर दीवार में सेंध लगाते हुये चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है? मगर सिहोरा पुलिस चौकी क्षेत्र में सक्रिय अनाज चोर गिरोह द्वारा जिस तरह खुलेआम वाहन ले जाते हुये जिस तरह चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है निश्चित तौर से पुलिस प्रशासन की रात्री कालिन गस्त व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? इतना ही नही सीहोरा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पुरगंवा में सक्रिय चोर गिरोह के हौसले इतने बुलंद देखे जा रहे है कि वह घरों के अंदर से अनाज चोरी करने के लिये धडल्ले से आटों या अन्य वाहन ले जाते है और माल पार करते हुये उसे अपने वाहन में लोडिंग करते हुये ले जाते हुये देखे जा रहे है? इस तरह राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर बसे हुये ग्राम पुरगंवा में सक्रिय चोर गिरोह के हौसले जहां पुलिस को चुनौती देने से नही चूक रहे है तो दूसरी ओर पुलिस की रात्री कालीन गस्त व्यवस्था पर भी सबाल खड़े करते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि सिहोरा पुलिस चौकी से चंद कदम दूरी पर स्थित ग्राम परगंवा जो गाडरवारा करेली यानि की स्टैट हाइवे मार्ग पर बसा हुआ है और चोर रात के समय लगातार लोगों के घरों में प्रवेश करते अपने माल वाहक वाहन के माध्यम से चोरी की घटनाओं को लगातार अंजाम देने से नही चूक रहे है। इस तरह बीते हुये कुछ दिनों से जहां चोरों ने यहां पर चोरो ने अनेक घरों को अपना निशाना बनाते हुये की गई चोरी की घटनाये लोगों के घरों में लगे हुये गुप्त कमरों में जिस तरह से कैद हुई है वह आमजन को हैरत में डालने के साथ साथ पुलिस को खुलेआम चुनौती देने के समान प्रतीत होने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि इस चोर गिरोह में अनेक सदस्य शामील है और जब वह किसी के घर से अनाज की बोरा चोरी करते हुये तो सबसे अधिक कीमत पर विक्रय होने वाले अनाज यानि की मुख्य रूप से चना को ही पसंद करते हुये देखे जा रहे है। एक केमरे में कैद हुई सच्चाई के दौरान जब एक चोर घर के अंदर रखे हुये चना के बोरे की जगह सोयाबीन के बोरा को उठा ले जाता है तो दूसरे स्थान पर खड़े हुये साथी उसकी जांच करने के बाद अपने साथी को उस बोरे को वापिस रखते हुये चना का बोरा लाने के लिये कहते हुये प्रतीत होते है और वह सोयाबीन के बोरा को वापिस रखते हुये चना का बोरा ले जाते हुये दिखाई देने से नही चूकता है? इस तरह घटित हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर बीते हुये दिवस ग्राम पुरगंवा निवासी कुंबर सिंह कौरव द्वारा पुलिस चौकी में दिये गये आवेदन में उल्लेख किया गया है कि उनके घर से अज्ञात चोरों द्वारा 6 बोरा चना चोरी कर लिये गये है। घटना को लेकर पुलिस द्वारा प्रार्थी को चोरों की खोज करने का भरोसा तो दिलाया गया है। मगर सक्रिय चोर गिरोह के हौसले क्षेत्र में इस तरह पहली बार देखने मिल रहे है कि जब वह वाहन के माध्यम से चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हुये उसे राष्ट्रीय के मार्ग से खुलेआम लोडिंग करते हुये ले जाने में सफल हो रहे है।

राजस्व विभाग के लोगों की मिली भगत से हो रहा शासकीय पट्टे की भूमि का विक्रय, फौती की आढ़ में अधिकारियों द्वारा भरी जा रही अपने जेबे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब शासन द्वारा किसी गरीब व जरूरत मद व्यक्ति को शासकीय भूमि पर कृषि कार्य हेतु पट्टा प्रदान किया जाता है तो वह उसका उपयोग तो कर सकता है मगर उस भूमि का विक्रय करने का अधिकारी नही होता है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि समीपस्थ जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र के अंतर्गत राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से पट्टे की भूमि फर्जी तौर से फौती को आधार बनाते हुये विक्रय होने की चर्चाये सुनने मिल रही है? बताया जाता है कि चीचली तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हल्का मोहपानी के मौजा बेनार में इस तरह पट्टे पर प्रदान की गई शासकीय भूमि का विक्रय होने की चर्चाये सुनाई देने के साथ साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका पर सबाल खडे किये जा रहे है? बताया जाता है कि हयां पर म.प्र. शासन के आदेशानुसार वर्ष 1980-81 में एक व्यक्ति को शासन द्वारा पट्टे के माध्यम से सरकारी भूमि प्रदान की गई थी। जहां पर लगभग 250 से 300 सागौन के पेड़ भी लगे होना बताये जाते है? मगर इस शासकीय पट्टे की भूमि को विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मिली भगत के चलते फर्जी तौर से फौती के आधार पर दूसरे के नाम पर परिवर्तन करने की चर्चाये सुनी जा रही है? जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि इस शासकीय पट्टे की भूमिका का विक्रय किया गया है फौती के नाम पर परिवर्तन तो फर्जी तौर से विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत के चलते षडयंत्र रचते हुये आधार बनाया जा रहा है? वही इस भूमि को लेकर वहां के कुछ लोगों द्वारा नायब तहसीलदार चीचल सहित अन्य अधिकारियों के समक्ष शिकायत भी गई है। वही दूसरी ओर शासकीय पट्टे पर प्राप्त होने वाली भूमि को लेकर बताया जाता है कि पट्टाधारी हितग्राही उस भूमि का उपयोग केवल कृषि प्रयोजनों के लिये ही करेगा। वह उक्त भूमि या उसके किसी भी भाग का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नही करेगा। वही उस भूमि का किसी भी भाग का विक्रय भेंट, बंधक, उप पट्टा या अन्य प्रकारसे अन्तरित नी करेगा और ऐसी प्रत्येक बिक्री, भेंट, बंधक, उप पट्टा या अन्य प्रकार से किया गया अन्तरण निष्प्रभावी होगा। मगर सूत्रों के आधार पर मिल रही जानकारियों के अनुसार बताया जाता है कि चीचली क्षेत्र क मौजा बेनार में विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते शासन द्वारा प्रदान किये गये पट्टे की भूमि का विक्रय हो चुका है और फर्जी तौर से फौती का आधार बनाते हुये नामांतरण किये जाने की तैयारियाँ की जा रही है? इतना ही नही आमजन को कहना है कि इस तरह मोहपानी, गोटीटोरिया सहित जंगल क्षेत्र में यदि राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों द्वारा पूर्ण निष्ठा के साथ पूर्व में शासन द्वारा जिन हितग्राहियों को पट्टे के आधार पर भूमि प्रदान की गई थी उनकी जांच की जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई समाने आने के साथ साथ राजस्व विभाग के अनेक कर्मचारी व अधिकारी बेनकाब होने से नही बच पायेगे तथा सैकड़ो एकड़ इस तरह की भूमि का भी भेंद खुलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है जो कभी क्षेत्र के हितग्राहियों को शासन द्वारा पट्टा के आधार पर प्रदान की गई थी मगर वह विभाग के अधिकारियों की कर्मचारियों की मिली भगत के चलते विक्रय होकर अब धनवालों के नाम हो चुकी है.।

स्टेट बैंक शाखा खोलने की सालीचौका में उठ रही मांग, बैकिंग सुविधा के कमी से ग्रामवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

वर्तमान में में देखा जा रहा है की जिस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री द्वारा देश को डिजीटल इंदिया बनाने की सोच रखी गई है उसके चलते अब शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों को भी आन लाईन व्यवस्था से जोडे जाने लगा है, जिसके चलते जहां संपूर्ण लेनदेन बैकों में मार्फत होगा, वही दूसरी ओर मजदूर व अन्य योजनाओं की राशि लोगों के सीधे खातो में आ रही है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो शहर और ग्रामीण अंचलों में लगातार बैंकिग सुविधाओ का विस्तार हो रहा है। किन्तु जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले प्रमुख से बडे कस्वा यानि की नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त सालीचौका मे अभी तक भारतीय स्टैट बैक शाखा नही खुल पाई है, जिसके कारण लोगों को अपनी धन राशि के निकालने के लिए परेशान होना पड़ता है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि लोगों के बड़े लेन देन व शासकीय कार्य भारतीय स्टैट बैक में खाता होने पर ही किये जाते है। इस स्थिति में सालीचौका क्षेत्र के लोगों को स्टैट बैक की शाखा का आभाव होने के कारण गाडरवारा या फिर अन्य दूसरे बड़े शहरों को जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? इस सच्चाई को लेकर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि गॉव में स्टेट बैंक की ब्रांच खुल जाती है तो सिर्फ सालीचौका ही नही बल्कि उससे जुड़े अनेक ग्रामो के बैंक उपभोक्ताओं को सुविधा मिलने लगेगी और बैंकिंग सुविधाओं के लिए शहर भागने पर हमेशा मजबूर रहने वाले ग्रामीण जन हालॉकि लम्बे अरसे सालीचौका में स्टेट बैंक की शाखा खोलने की पुरजोर मॉग कर रहे है। किन्तु उनकी आवाज बेअसर साबित हो रही है, जिसके कारण क्षेत्रवासियों में असंतोष स्पष्ट झलकने लगा है। हरिभूमि से यहां स्टेट बैंक की शाखा खोलने की आवश्यकता के सम्बंध में ग्राम के जागरूक निवासियों ने कहा कि बैंक के उपभोक्ताओं के हितो को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक के उच्चाधिकारियों को सालीचौका में स्टेट बैंक शाखा खोलने की सार्थक पहल करना चाहिए। क्षेत्रवासियों के अनुसार सालीचौका सहित आसपास के गांवों के अधिकांश निवासी बैंक से मिलने वाली सुविधाओं, योजनाओं का लाभ ले रहे है पर ग्राम में स्टेट बैंक की शाखा न होने की स्थिति में कलेक्शन के लिए चेक जमा कराने तक उन्हे अनावश्यक खर्च कर शहर जाना पड़ता है। यही नही स्टेट बैंक से सीधा सम्पर्क न होने से बहुत सी नवीन बैंक की लाभकारी योजनाओं की जानकारी से हमे वंचित रहना पड़ता है। इसलिए समय की मांग है कि ग्राम मे स्टेट बैंक शाखा आने समय में खोलकर सालीचौका सहित आसपास के ग्रामवासियों को राहत दी जाए। क्योंकि सालीचौका स्टेट बैंक की ब्रांच खोलना महत्वपूर्ण है। यदि सालीचौका स्टेट बैंक शाखा खुल जाती है तो बड़ी संख्या में ग्रामीण बैंक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे क्योंकि अभी तो हम बैंक से कोई भी सहूलियत लेने के लिए शहर पर निर्भर है, एक युवका का कहना है कि बैंक उपभोक्ताओं की तादाद बढ़नें के मद्देनजर मेरे विचार से स्टेट बैंक शाखा खुलने का उपयुक्त समय आ गया है, यदि सालीचौका स्टेट बैंक की शाखा प्रारम्भ हो जाए, तो बैंक अधिकारियों को अपनी समस्या बताने में हमे सुविधा रहेगी। बैंक सम्बंधी कामो में देरी का दंश भी नही सहना पड़ेगा। क्योंकि क्षेत्र के लोगों का अभी तो यह हाल है कि किसान क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन लेने या अन्य बैंक सम्बंधी जरूरी काम कराने हमें गाडरवारा दौडना पड़ रहा है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सालीचौका स्टेट बैंक की शाखा न खुलने से क्षेत्र के किसान,स्कूली छात्र छात्राएँ, वृद्धावस्था पेंशन पाने वाली महिलाएँ, वृद्ध परेशान है, विकास के दौर में यहां स्टेट बैंक शाखा का शुभारम्भ होना होना जरूरी है, स्टेट बैंक अधिकारी यदि ग्रामीण बैंक उपभोक्ताओं की समस्याएँ गंभीरता से जानेंगे तो मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही सालीचौका में स्टेट बैंक शाखा प्रारम्भ हो जाएगी।

सिहोरा रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला, धूप में खडे रहकर ट्रेनों का इंतजार करने के लिए मजबूर, ठंडे पानी की भी नहीं व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की तो बात कही जाती है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि समीपस्थ सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए अनेक मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ सुरक्षा की व्यवस्थाएं नही होने से रेल यात्रियों को परेशान होने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? बताया जाता है कि सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 25 से 30 गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है, लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहॉ के दोनों प्लेट फार्मो पर वर्षो पुराना यात्री प्रतिक्षालय टीन शेड बना हुआ है जिसके नीचे मात्र चंद लोग ही खड़े हो सकते है बाकी लोगों को गर्मी के दिनों में तेज धूप व बारिश के मौसम में भीगते हुए ट्रेनों को इंतजार करते हुए आसानी से देखा जा सकता है? वही अन्य सुविधाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां पर कहने के लिए तो पेशाब घर बने हुए है मगर उनमें गंदगी का आलम रहने से लोग उनकी ओर जाने का तक मन नही बना पाते है, इतना ही नही यदि अन्य व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिया जावे तो सुरक्षा की दृष्टि से तो यहां से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों का भगवान ही मालिक होता है, क्योकि जहां रेल्वे स्टेशन चारों ओर से खुला होने के कारण यहां पर दिन दिन भर पशुओं को भ्रमण करते हुए देखा जाता है, वही इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान रेल यात्रियों के लिए रेल प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ठंडे पानी की व्यवस्था करना तो दूर की बात जो नल लगे हुए है उनसे भी पानी नही निकलने के कारण रेल यात्री पीने के पानी के लिए यहां वहां भटकते हुए देखे जाते है इस प्रकार से देखा जावे तो सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन पर चारों ओर फैली हुई अव्यवस्थाओं के चलते रेल यात्रियों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर यहां पर मात्र बीना, फास्ट पैसेन्जर तथा दोपहर के समय निकलने वाली पैसेन्जरों के आलवा अन्य किसी ट्रेन के स्टाफ को लेकर आज तक क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जाने के कारण क्षेत्रवासियों को रेल सुविधाओं से बंचित रखना निश्चित ही क्षेत्र के नेताओं का उदासीनता का परिणाम दिखाई देने लगा है।

खबर संक्षेप

प्रशासन ने शहपुरा नगर में अतिक्रमण हटाने बैठक का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आज नगर परिषद शहपुरा मे मुख्य मार्ग पर हुये अतिक्रमण को हटाने हेतु शहपुरा के द्वारा जनप्रतिनिधी व्यापारी एवं नगर परिषद के पार्षदो की बैठक ली गई। जिसमे सर्व सम्मति से अतिक्रमण हटाने पर सहमति दी गई, विस्थापित व्यापारियों हेतु पृथक से भूमि चिन्हांकित की गई है।
उक्त बैठक मे राजस्व विभाग से तहसीलदार नायब, तहसीलदार, पुलिस विभाग से एसडीओपी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर खेल मैदान में चल रहा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। संचालनालय खेल और युवा कल्याण म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर वर्ष-2024 का आयोजन जिला मुख्यालय एवं विकासखण्ड मुख्यालयों में 01 से 30 मई 2024 तक संचालित है।कलेक्ट्रेट खेल परिसर में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण जिला मुख्यालय में 04 खेलों का प्रशिक्षण संचालित किये जा रहे हैं जिसमें प्रशिक्षक कु. आरती सोंधिया बास्केटबॉल, चेतराम अहिरवार व्हालीबॉल, युवा समन्वयक श्रीमती संतोषी यादव हॉकी एवं जिला क्रिकेट संघ के प्रशिक्षक छत्रपाल सिंह मरकाम क्रिकेट खेल का प्रशिक्षण दे रहे हैं। विकासखण्ड मुख्यालयों में युवा समन्वयक श्रीमती उषा माकिनपुरी मेंहदवानी कबड्डी एवं व्हालीबॉल, श्रीमती सुनीता धुर्वे समनापुर कबड्डी एवं फुटबॉल, कैलाश रजक शहपुरा कबड्डी एवं व्हालीबॉल, सुखना सिंह पन्द्राम बजाग कबड्डी एवं व्हालीबॉल, श्रीमती लक्ष्मी बनावल करंजिया कबड्डी एवं व्हालीबॉल एवं नारायण सिंह मरावी अमरपुर कबड्डी एवं व्हालीबॉल खेलों का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

चिलचिलाती धूप में घाटी चढ़कर बीच जंगल में राशन लेने को मजबूर ग्रामीण

आखिर जंगल में क्यों बांटा जा रहा है राशन

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्राम पंचायत डोकरघाट के पोषक ग्राम खुदरी के परिवारों को विगत कई माह से बीच जंगल में राशन वितरण किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार वन ग्राम खुदरी में राशन वितरण के लिए शासन प्रशासन द्वारा राशन गांव के द्वार वाहन उपलब्ध कराया गया है जिसके द्वारा हर माह वन ग्राम खुदरी न जाकर वहां से दो किलोमीटर दूर बीच जंगल में राशन वितरण किया जा रहा है ऐसे में गांव के बड़े बुजुर्ग महिला पुरुषों को चिलचिलाती गर्मी में लम्बी घाटी चढ़कर राशन लेने जाना पड़ रहा है जिसके चलते लोगों में नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि खुदरी गांव तक पहुंचने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा ग्रेवल सडक का निर्माण कराया गया है जिससे सभी प्रकार के वाहन आसानी से आ जा रहे हैं परन्तु राशन गांव के द्वार वाहन के जिम्मेदारों द्वारा बहाना बनाया जा रहा है और प्रतिमाह बीच जंगल में राशन वितरण किया जा रहा है चाहे।

गरीबों की चिंता किसी को नहीं

ग्राम पंचायत डोकरघाट की वर्तमान सरपंच लमिया बाई वन ग्राम खुदरी निवासी हैं उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधिकारी कर्मचारियों को बार बार अवगत कराया गया है कि गांव तक वाहन आसानी से आ जा रहे हैं इसलिए राशन का वितरण गांव में कराया जाए परन्तु इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गांव के लोगों को चिलचिलाती धूप में घटिया पहाड़ चढ़कर राशन लेने जाना पड़ रहा है जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इनका कहना है

राशन गांव के द्वार वाहन चालक के द्वारा गांव तक वाहन ले जाने में खतरा बताया था इसलिए वाहन गांव तक नहीं जा रहा है अगर गांव तक वाहन चला जाएगा तो अच्छी बात है हम गांव में ही राशन वितरण कराएंगे।

-जयंत असाठी, कनिष्क खाद्य आपूर्ति अधिकारी शहपुरा

तीन माह में ही दरक गई भ्रष्टाचार से निर्मित मनरेगा की पुलिया

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना जोकि मूलरूप से मजदूरों का पलायन रोकने एवं स्थानीय तौर पर मजदूरी देने की गारंटी हैं। परंतु वर्तमान समय में योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा हैं। ताजा मामला जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम पंचायत देवरी का हैं। जहां पर योजनांतर्गत बड़े तालाब की ओर जाने वाले मार्ग में एक पुलिया का निर्माण कार्य किया गया हैं। जिसकी लागत 5.41 लाख रुपए एवं कार्य पूर्णता दिनांक 25ध02ध2024 हैं। जिस पुलिया के नीचे की मुख्य दीवार फट गई हैं। जिसमें एजेंसी द्वारा रेत सीमेंट के मसाले से भरने का प्रयास किया गया हैं। फिर भी दीवार फटते जा रही हैं। तीन महीने में यह स्थिति हैं तो आगे कितने दिन इस पुलिया का भविष्य होगा सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत द्वारा नदी में घाट निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। जिसकी जानकारी नहीं हैं कि किस मद से निर्माण किया जा रहा हैं। जोकि बहुत ही निम्न स्तर का निर्माण किया जा रहा हैं। जहां पर तकनीकी मार्ग दर्शन का अभाव महसूस हो रहा हैं। इस प्रकार के स्तरहीन निर्माण कार्य पूरी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में धड़ल्ले से किया जा रहा हैं। जो निर्माण कार्य शायद साम्रगी प्रदायकर्ता, अधिकारी एवं कर्मचारियों के लाभ के लिए कराएं जा रहे हैं।

-इनका कहना है

मैं स्वयं निर्माण कार्य नहीं देखता हूं, आपसे जानकारी प्राप्त हुई हैं तो देखना पड़ेगा।

-लोकेश नारनौरे, सीईओ अमरपुर

मुझे पुलिया निर्माण की जानकारी नहीं हैं, शायद मेरे अवकाश में रहने के दौरान बना होगा।

-के पी दुबे, सहायक यंत्री

टेक्नोलॉजी के उपयोग में सावधानी और जागरूकता आवश्यक

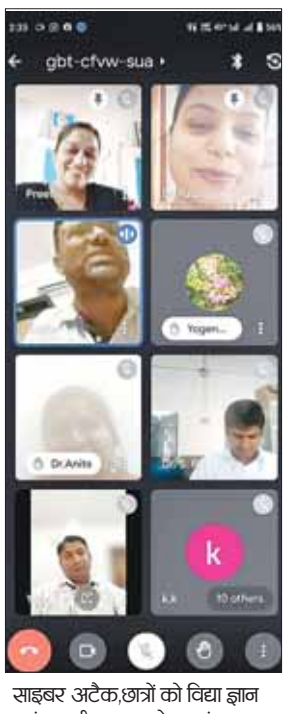

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शासकीय महाविद्यालय करंजिया जिला डिंडोरी में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो प्रमोद कुमार वासपे के मार्गदर्शन में 28 मई मंगलवार को तकनीकी प्रयोग एवं साइबर जागरूकता विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में योगेन्द्र रिशीश्वर सीनियर मैनेजर कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी पुणे ने सारगर्भित शब्दों में गायत्री मंत्र की उपगोगिता साइबर से संबंधित, साइबर अवॉर्नेस ,सॉफ्टवेयर रिकवरी ,तकनीकी महत्व पर प्रकाश डाला ।रिशिश्वर ने फेक वेबसाइट ,वायरस ,मालवेयर, पासवर्ड इत्यादि के विषय पर बारीकी से प्रकाश डाला विजय मिश्र सीनियर सॉफ्टवेयर मैनेजर ट्रिंटेक टेक्नोलॉजी पुणे ने सनातन से तकनीकी महत्व, साइबर सुरक्षा ,कृतिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और क्लाउड कम्प्यूटिंग की उपगोगिता पर बेहतरीन ढंग से मार्गदर्शन किया और विशिष्ट अतिथि प्रो कपिल देव मिश्रा पूर्व कुलगुरु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने

साइबर अटैक,छात्रों को विद्या ज्ञान एवं तकनीक का प्रयोग एवं साइबर जागरूकता पर सराहनीय उद्बोधन पर प्रस्तुत दी ।डॉक्टर विकास जैन द्वारा सिक्योरिटी ब्रीच एवं साइबर सुरक्षा इत्यादि पर बेहतरीन तरीके से प्रकाश डाला ।कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर शमशेर बहादुर पटेल ने डाटा प्राइवेसी पर प्रकाश डालते हुए फाइनेंशियल फ्रॉड,डाटा एनक्रिप्शन,ब्ट।, सॉफ्टवेयर जागरूकता और साइबर सिक्योरिटी पर विस्तार से चर्चा की ।इसी कड़ी में डॉक्टर कृष्ण कुमार द्विवेदी प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने फिशिंग,हैकिंग और तकनीकी महत्व,सॉफ्टवेयर एनालिसिस पर रोचक तरीके से प्रस्तुति दी ।डॉक्टर रुचि नंदनवार एवं डॉक्टर अनीता पटेल ने भी सहृदय पूर्वक अपने अपने पक्ष छात्रों के समक्ष साइबर जागरूकता और तकनीकी प्रयोग पर सराहनीय तरीके से प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आभार महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉक्टर प्रीति पांडेय द्वारा ओत प्रोत रोचक ढंग से शेर और शायरी द्वारा दिया गया ।जो बहुत ही सराहनीय था ।साथ ही महाविद्यालय के स्टाफ एवं कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही ।इस वेबीनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने सफलता पूर्वक रजिस्ट्रेशन किया। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह द्वारा किया गया।

होर्डिंग में 50 मीटर दूरी का नहीं हो रहा पालन, परिषद को लाखों रुपए का नुकसान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। नगरीय क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद द्वारा अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने में जिम्मेदार नाकाम साबित हो रहे हैं, नगर में जगह जगह अवैध होर्डिंग लगाने से ना केवल नगर की सुंदरता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है बल्कि नगर परिषद को लाखों रुपए का राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। होर्डिंग में मनमानी से नगर परिषद को सीधे तौर पर आर्थिक नुकसान होने के बाद भी जिम्मेदार मौन है, जब हमारे संवाददाता ने कानूनविद् अधिवक्ता सम्यक जैन से इस विषय में चर्चा की तो उन्होंने बताया की मध्यप्रदेश सरकार द्वारा होर्डिंग को लेकर आउटडोर मीडिया पालिसी 2017 में स्पष्ट प्रावधान किया गया है की "सड़क के एक ही तरफ दो होर्डिंग की बीच की दूरी 50 मीटर से कम नहीं होना चाहिए। इधर, नगर में लगे होर्डिंग के स्थान चयन में प्रदेश सरकार के इस नियम की खुले आम धज्जियाँ उड़ाई जा रही है, इसके बाद भी नगर परिषद के अधिकारियों ने कार्यवाही के नाम पर जैसे चुप्पी साध रखी है। नगर में होर्डिंग लगाये जाने के दौरान नियमों का पालन नहीं किए जाने मामले में नगर परिषद अधिकारियों की कार्यवाही पर लगातार सवाल उठ रहे है। यहाँ कई साल से चल रही मनमानी पर नगर परिषद को बतौर टैक्स लाखों रुपए का नुकसान होने के बाद भी नगर परिषद के जिम्मेदार मौन है ।

-दहशत में आम नागरिक

नगर में तने होर्डिंग्स में से एक का भी स्ट्रक्चरल प्रमाण पत्र और बीमा संबंधी दस्तावेज नगर परिषद के पास नहीं है । बिना दस्तावेज के लगे होर्डिंग्स को लेकर नगर में नागरिक दहशत में है । नागरिको का कहना है कि बिना दस्तावेज के तने होर्डिंग को हटाने की कार्यवाही हर हाल में की जानी चाहिए।

-ऐसे हो रही होर्डिंग से मोटी कमाई

नगर में 50 से ज्यादा होर्डिंग है। इनमें प्रत्येक का प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपये तक किराया वसूल किया जाता है। यानी हर माह लगभग 8 लाख रुपये और साल का 80 लाख रुपये। होर्डिंग में मनमानी का यह खेल कई सालों से चल रहा है तो इस अवधि में कमाई करोड़ों रुपये को पार कर जाएगा।

-सीएमओ ने बनाई टीम, तीन दिन में मांगी रिपोर्ट

नगर में अवैध होर्डिंग के साथ ही नियमों को ताक पर रखकर लगाये गये होर्डिंग की जाँच के लिए नगर परिषद ने टीम गठित की है। सीएमओ सतेंद्र सालवार ने बताया कि सर्वे टीम में इंजीनियर, राजस्व विभाग का एक कर्मचारी और लिपिक को शामिल किया गया है। टीम को 31 मई तक रिपोर्ट सौपने कहा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

माहवारी पर चुप्पी तोड़ो स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो के लगे नारे

अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस में कार्यक्रम हुए आयोजित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन व महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा में आज जिले के समस्त विकासखंड स्तर पर परियोजना कार्यालय अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं और लड़कियों के सम्मान और कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और मूलभूत स्वच्छता, सफाई और प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को स्वच्छता संबंधी जानकारी दिया गया। माहवारी के समय गंदा कपड़ा के बजाय सेनेटरी पेड इस्तेमाल करने की सलाह दी गई इससे होने वाले बीमारी से बचा जा सकता है।परियोजना अमरपुर के किशोरी बालिका रुकमणी एवं रानू ने कहा कि समाज में महिलाओं एवं युवतियों को मासिक धर्म सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर कई परेशानियों से गुजरना पड़ता है, इसलिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरुकता फैलाना बहुत जरूरी है और साथ ही कहा कि अपने देश की ही नहीं बल्कि विश्व भर की महिलाओं और युवतियों को मासिक धर्म के कारण कई परेशानियों सहित आने वाली चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए इसके बारे में जागरुकता प्रसारित करना व इस समस्या के बारे में अपने समाज के दृष्टिकोण में बदलाव होना जरूरी है, उन्होंने मासिक धर्म प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया कि माहवारी है तो हम है, माहवारी कोई भार नहीं है, यह प्रकृति का उपहार है, मासिक धर्म है कुदरत का खेल-इसे न समझो । अंतरराष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य पर को ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी जागरुकता और भ्रांतियों को दूर करने के लिए किशोरी बालिकाओं के द्वारा माहवारी स्वच्छता दिवस पर रंगोली, मेंहदी, चित्रकारी, भाषण, आदि में बढ़चढ़ कर भाग लिया गया। किशोरियों ने 'पीरियड पर चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो।' 'पीरियड की जानकारी बदलेगी दुनिया सारी' और 'पीरियड का खून नहीं समाज की सोच गंदी है' जैसे अलग-अलग संदेश दिया।

वन मेले में स्थानीय वैद्यों का लगा जमावड़ा, जड़ी बूटी से करते हैं उपचार

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। मानव शरीर में आने वाली परेशानियों व व्याधियों के लिए भले ही वैज्ञानिक उपचार मौजूद हैं लेकिन वैज्ञानिक तरीके से उपचार जहां महंगा है वहीं वह कारगर हो इसकी संभावना भी अधिक नहीं है कई बार सालों के उपचार से भी रोग व्याधि तो ठीक नही होती उल्टे विपरीत परिणाम भी सामने आते हैं, दूसरी ओर हमारे समाज में ही ज्ञान का भंडार भरा पड़ा है और इस ज्ञान का स्त्रोत भी प्रकृति ने हमें दिया है सदियों से प्रकृति के इन उपहारों ने मानव जीवन के लिए वनस्पतियों और जड़ी बूटी के रूप में हमे अपने अमूल्य उपहारों से नवाजा है। अब आधुनिकता की दौड़ में हम इन पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों से दूरी बना चुके हैं बावजूद इसके आज भी समाज में ऐसे जानकर जिन्हे हम स्थानीय वैद्य के रूप में जानते हैं उन्होंने पारंपरिक व प्राकृतिक ज्ञान को बचाकर रखा हुआ है डिंडोरी जिले के ऐसे ही गुणी वैद्य हैं जो लंबे समय से समाज में प्रकृति से मिले वानस्पतिक उपहार से लोगो का निःशुल्क इलाज कर रहे हैं। इस वैद्यों की खास बात यह है कि इनका शुल्क या तो नही है और अगर है भी तो न के बराबर। इन वैद्यों के पास ज्ञान का तो भंडार है जिसका यह उपयोग करते हैं लेकिन उस ज्ञान की मार्केटिंग और प्रस्तुतिकरण का अभाव है जिस कारण आज भी वह छोटे क्षेत्र तक सीमित हैं।

-बांझपन दूर करने में बुधिया बाई को महारत

डिंडोरी जिले के रंजरा गांव की रहने वाली बुधिया बाई लगभग 55 सालों से क्षेत्र में अपनी सेवा दे रहीं हैं और दूर दूर से इनके पास लोग इलाज कराने आते हैं उन्हें संख्या की स्पष्ट जानकारी तो नही है पर लगभग हजारों की संख्या में लोगों का उपचार किया है मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के मरीज इनके पास आते हैं, इनके पति थान सिंह क्षेत्र में जाने माने वैद्य रहे हैं और उपचार की विधा बुधिया ने उन्हीं से सीखा है विभिन्न बीमारियों के उपचार के अलावा बुधिया बांझपन का इलाज करती है।
-चर्मरोग और कैंसर का इलाज करते हैं बारेलाल
रंजरा गांव के बारेलाल को भी प्राकृतिक उपचार की विधा विरासत में मिली है और पिता थान सिंह ने उन्हें जड़ी बूटी की पहचान उसके उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया वह क्षेत्र में पिछले 20 सालों से उपचार कर रहे हैं चर्मरोग और कैंसर जैसी बीमारी के लिए दूर दूर से लोग इनके पास आते हैं।

-जड़ी बूटी से इलाज में माहिर हैं वैद्य

स्थानीय जंगलों से प्राप्त जड़ी बूटी का इलाज यहां के वैद्य सदियों से करते आ रहे हैं, कन्हारी के राय सिंह पीलिया का शर्तिया इलाज करते हैं वहीं रंजरा के समारू मिर्गी के उपचार में महारत रखते हैं। जीलंग के बंशू सिंह शरीर के अंदर और बाहर की गांठ का इलाज कर रहे हैं।

-नाड़ी छूकर मर्ज का पता लगाते हैं बिरसू

केवलारी गांव के बिरसू सिंह मरीज की नाड़ी छूकर बीमारी का पता लगाते हैं, शरीर में विकलांगता, धात, बवासीर, मिर्गी, किडनी, पथरी, त्वचा रोग का उपचार 45 वर्षों से कर रहे हैं।

-हड्डी तक जोड़ देते हैं वैद्य

बैगा चक के वैद्य अपनी जड़ी बूटी के उपचार से टूटी हड्डी भी जोड़ देते हैं पोंडी के रामप्रसाद को इसमें महारत है वहीं पुरानी खांसी का इलाज भी यह करते हैं। पोंड़ी के ही अमृतलाल अर्धकपारी, सर्पदंश का इलाज करते हैं। ढाबा के बरिया सिंह लकवा और गठिया का उपचार देते हैं ढाबा के लाल साय और मोती सिंह के पास कैंसर, मासिक धर्म, लकवा के उपचार का दावा है। गौरा के राजाराम मस्सा, पेट फूलना, सरदर्द, आंव, प्रसव उपरांत दूध न बनने और प्रसव उपरांत जड़ी सहित हड्डी रोगों के जानकार हैं। गौरा के प्रसादी, लालसाय, शीतलपानी के समारु और शंकरलाल के पास पीलिया, पेट दर्द, सरदर्द, मोटापा, सर्पदंश, बिच्छू काटने, कुत्ता काटने का उपचार मौजूद है। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आयोजित वन मेले में इन स्थानीय वैद्यों की विधा की जानकारी सभी को मिली। वैसे इन वैद्यों की पड़ताल 2004 में ही निवसीड संस्था के बलवंत राहंगडाले ने की थी जब उन्होंने जंगल अध्ययन मंडल के माध्यम से इन वैद्यों की जानकारी एकत्र की थी। बैगाचक में जड़ी बूटियों का भंडार है तो यहां जानकार भी मौजूद हैं जिन्हे इस वन मेले के माध्यम से एक मंच भी मिला है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 29 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

करंट लगने से व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर । कोतवाली थाना अंतर्गत समनापुर निवासी लीलाधर लोधी पिता भगवान सिंह उम्र 50 वर्ष खेत पर कृषि कार्य करते हुए पाइप लाईन की शिफ्ट बदल रहे थे तभी उसी समय करेंट लग गया। तत्काल परिजन निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया वही अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया हैं।

ट्रेन से कटकर व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर । कोतवाली थाना अंतर्गत उमरिया निवासी राजू भारिया पिता टीएल भारिया की बरगी रेलवें ट्रेक पर छतविक्षत अवस्था मे लाश मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थीं वहीं पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया जहां परिजनों को सूचना मिलने पर वह जिला अस्पताल पहुँचे और उनके सामने पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा।

मिलन समीति द्वारा बांटा गया शरबत

नरसिंहपुर । ज्येष्ठ मास मे चल रहे नौतपा को देखते हुये श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेहत को ध्यान मे रखते हुये मिलन समीति द्वारा मंगलवार को पंडित व्रजेश मिश्रा द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर जारजोला रोड पर भीषण गर्मी में निकलते हुए राहगीरों को शीतल शरबत का वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर के प्रमुख पुजारी पचोरी, अर्जुन सिंह पटेल, मिलन समिति के संरक्षक एस के चतुर्वेदी, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल सहित सभी सहयोगियों की उपस्थिति रही।

मारपीट के आरोपी को कारावास

नरसिंहपुर । न्यायालय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गोटेगाव जिला नरसिंहपुर के न्यायालय द्वारा मारपीट करने के प्रकरण में आरोपी वीरन उर्फ वीरेन्द्र कुंदौलिया, बन्धु उर्फ संजय कुमार कुंदौलिया, दोनो आरोपी निवासी ग्राम-करेली कला ,थाना गोटेगाव जिला नरसिंहपुर को दोषसिध्द पाते हुए भा.द.वि. की धारा 325 में प्रत्येक आरोपी को 1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

सीएमएचओं ने लिया एम्बुलेंसों का जायजा

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे के मार्गदर्शन में जिले में संचालित एम्बुलेंस व 108 एम्बुलेंस वाहन में गर्मी से बचाव एवं लू ताप घात में तत्काल प्रभावित व्यक्ति व हितग्राहियों को उपचार के लिए ओआरएस पैकेट, जिंक की गोलियों, स्वच्छ पानी की उपलब्ध आदि का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में सिविल सर्जन सह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मुकेश जैन एवं जिला एपीडिमियोलॉजिस्ट आईडीएसपीध् नोडल अधिकारी एनपीसीसीएचएच डॉ. गुलाब खातरकर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ऑन लाइनप लू- ताप घात की जानकारी के लिए प्रदान किये गये क्यूआर कोड के संबंध में भी जानकारी ली।

वश्व तंबाकू दिवस पर आयोजन

नरसिंहपुर । सिविल न्यायालय तेन्दूखेड़ा की तहसील विधिक सेवा समिति, तेंदूखेड़ा द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर कमल जोशी के आदेशानुसार ग्राम पड़रिया तहसील तेन्दूखेड़ा के पंचायत भवन में विश्व तंबाकू दिवस के उपलक्ष्य में एक शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अरविंद मीणा, तेंदूखेड़ा द्वारा तंबाकू सेवन के कारण होने वाले दुष्परिणाम एवं रोकथाम के उपाय के बारे में बताया गया कि, तंबाकू सेवन से लोगो को होने वाली बीमारियां एवं कई अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त धूम्रपान से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए कहा गया।

पीठ थपथपा कर भूल गई पुलिस

तीन दिन से थाने मे रखा हिरण का मांस, मार रहा बदबू व लगे कीड़े

सुआतला पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह

बीते तीने दिन पूर्व थाना क्षेत्र सुआतला पुलिस ने दो आरोपियों को हिरण के मांस के साथ पकड़ा था और मामला पंजीवद्ध कर वन विभाग को सूचित कर संयुक्त कार्रवाई भी की गई । सयुक्त कार्रवाई के उपरांत हिरण के मांस के सैपिंल जांच हेतु भेजा गया और बांकी मांस थाने मे ही रखा रहा।

नरसिंहपुर।

उक्त मांस को जलाने या दफनाने की कार्रवाई वन विभाग द्वारा की जानी थी लेकिन मांस थाने मे रखा हुआ था जिस पर कीड़े लग चुके थे तथा बदबू भी मारने लगा था । वही सुअतला पुलिस अपनी पीठ थपथपा कर मांस को जलाना भूल गई ।

कीड़े लगने का इंतजार कर रही थी पुलिस

मांस को समापन कार्रवाई में पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह उत्पन्न होता है क्योकि पुलिस द्वारा मांस की जप्ती बनाई गई और आरोपियों को न्यायालय में भी पेश कर दिया गया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया। रविवार को मांस का सैंपिल जांच हेतु भी भेजा दिया गया। उसके बाद मांस को थाने मे रखने व न्यायालय से आदेश लेने मे देरी क्यों की गई । सोमवार से ही थाने मे रखे मांस से दुर्गंध आना चालू हो चुकी थी उक्त मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान मे लाया गया तब पुलिस ने मांस वन विभाग को भिजवाया ।

वन विभाग के अधिकारियों ने किया नजर अंदाज

हिरण के मांस जब्ती के मामले मे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी लापरवाही का अंदेशा है । पुलिस ने बताया कि मंगलवार को जब वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय उक्त मांस को सुपुर्द करने के लिये भेजा गया तब वहां पर वन परिक्षेत्र अधिकारी नही थे और अधिकारी की उपस्थित ना होने के कारण मांस को समापन की कार्रवाई नही हो सकी । जबकि अधिकारी को चाहिये था कि उक्त मामले मे पुलिस से संपर्क मे रहकर आवश्यक कार्रवाई की जानी थी लेकिन जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कोताही बरती गई और मंगलवार को भी मांस दुर्गंध व कीड़ों से सराबोर होकर कार्यालय मे रखा रहा ।

मुर्गाखेड़ा निवासी बताये जा रहे आरोपी

हिरण का शिकार कर ला रहे दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

मंलगवार तक मांस को नही जलाया गया

जानकारी के अनुसार वन प्राणी के शव या मांस को जलाया जाता है। उक्त मामले में कार्रवाई पुलिस द्वारा की गई और मांस को जब्ती मे रखा गया यदि सैंपिल होने के बाद पुलिस मांस को वन विभाग के सुपुर्द किया गया होता तो वन विभाग कीड़े लगने के पूर्व ही उसे जलाने की कार्रवाई पूरी करी लेता लेकिन पुलिस अपनी पीठ थपथपा की मांस को भूल गई और सुपुर्दगी नही की जिस कारण से आगे की कार्रवाई नही की गई । प्रशासन को चाहिये की दोषियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जावे।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह

पुलिस द्वारा उक्त मामले मे कार्रवाई तो की गई जिसे लोगों के साथ - साथ विभाग भी सराहनीय मान रहा है लेकिन उसके बाद भी मन मे कई सवाल उत्पन्न हो रहे है । लोगो का सवाल है कि पुलिस ने हिरण का मांस जप्त किया आरोपी भी पकड़ाये बंदूक व छर्रे भी जप्त किये गये पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ भी की होगी और घटना स्थल पर भी गई होगी तो फिर हिरण के अन्य अवशेषों के संबंध मे कोई जिक्र क्यो नही किया जा रहा हिरण कि हड्डी , खाल सहित अन्य भाग कहां गया या परदे के पीछे जो व्यक्ति है उन्हे पुलिस द्वारा बचाया गया यदि आरोपी दोनो थे तो रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ मे सच सामने ला सकती थी ?

इनका कहना है

उक्त संबंध मे एसडीओपी को निर्देशित किया गया था कि उक्त मांस को समापन की कार्रवाई की हेतु वन विभाग को सौंपा जाये एवं आगे की कार्रवाई की जावे । मै इसकी जानकारी लेता हूं ।

अमित कुमार, एस पी

मंगलवार की कार्यालीन समय पर जाकर मांस वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है जिसकी पावती भी ली गई है आगे कार्रवाई क्यों नही हुई इसके लिये वन विभाग द्वारा ही जबाव दिया जा सकती है ।

अंकित रावत , एसआई

तेंदुए की मौत को लेकर सीसीएफ से की शिकायत

करेली । भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन कार्यालय, ए.पी.सी.सी. एफ., के नाम शिकायत भेजी गई जिसमे उल्लेख किया गया है कि नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा जंगलों में दिलेहारी बीट में तेंदुए की मौत के संबंध में भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि, जी सीसीआई के प्रदेश प्रेस संयोजक भागीरथ तिवारी की शिकायत को लेकर बोर्ड की संयुक्त सचिव प्राची जैन ने पत्र लिखकर कहा कि भागीरथ तिवारी से मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा जंगली में दिलेहारी बीट में तेंदुए की मौत के बारे में विभिन्न शिकायतें मिली है। शिकायत की एक प्रति इसके साथ संलग्न है, जो स्वतः स्पष्ट है। कि धारा 3 और 11(1) (एल) के अनुसार जानवरों के खिलाफ क्रूरता पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम, 1960 का उल्लंघन है। आईपीसी की धारा 428 और 429 पचास रुपये या उससे अधिक मूल्य के किसी भी जानवर या जानवर को मारने, जहर देने, अपंग करने या बेकार करने के द्वारा शरारत करने की सजा से संबंधित है और व्यक्ति को दोनों में से किसी भी प्रकार के कारावास से दंडित किया जाएगा। जिसकी अवधि पांच वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जा सकता है स संयुक्त सचिव ने पत्र में कहा कि उपरोक्त के दृष्टिगत शिकायतों को कानून के प्रावधान के अनुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया जा रहा है। कृपया इसे अति आवश्यक समझे और जल्द से जल्द की गई कार्रवाई से बोर्ड को अवगत कराएं। ज्ञातव्य होवे कि करेली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देहलरी बीट के सतपुड़ा के जंगल में संरक्षित वन्य प्राणी तेंदूए की संदेह तरीके से मौत हो गई थी इस मौत की उच्च स्तरीय जांच हेतु स प्रधानमंत्री ,बोर्ड के अध्यक्ष सचिव,पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी, वन्य अपराध नियंत्रण कार्यालय आदि को भी ईमेल , पत्र लिखे गए थे स बोर्ड ने श्री तिवारी के द्वारा किए गए ईमेल , पत्र को संज्ञान में लेकर मुख्य बन संरक्षक वन्य प्राणी भोपाल को पत्र लिखा गया जिसकी काफी इमेल कर भागीरथ तिवारी को भी भेजी गई ।

मनमर्जी से खुल रहीं हैं ग्राम पंचायत, ग्रामवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज - करेली।

शासन के निर्देशों का पालन हो रहा है कि नहीं इस बात की जानकारी जिला प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधि भी ध्यान नही दे पा रहे हैं । जबकि इन जनप्रतिनिधियों की देश में प्रदेश में सरकार हैं स जून माह में बरसात का मौसम आने वाला है बरसात के समय ज्यादा से ज्यादा लाभ नागरिकों को मिले यह सब की इच्छा रहती है पर देखने में आ रहा है कि ग्रामीणों को इन योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पाने के कारण परेशान होते रहते हैं। ऐसे ही जनपद पंचायत करेली की पंचायतों में देखने को मिलता है । करेली जनपद पंचायत की अधिकाश ग्राम पंचायतो के ग्राम पंचायत भवन में ताला लगा रहता है। आज मंगलवार को करेली जनपद पंचायत की अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोंगावारी , लिंगा पिपरिया ,खेरी महलपुरा पंचायत भवनों में ताला दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक लगा हुआ था इन पंचायत के सचिव रोजगार सहायक के साथ-साथ पटवारी भी ग्राम में नही रहे इन सबका ग्राम में निवास न होने के कारण गरीब ग्रामीण जनता को शासन की योजना की जानकारी नहीं मिल पाने कारण समुचित रूप से लाभ नहीं मिल पाता है जब इस संबंध में जनपद पंचायत करेली के सीईओ से बात करना चाही तो उन्होंने मोबाइल नही उठाया फिर पंचायत इंस्पेक्टर कैलाश दुबे से बात की तो उन्होंने कहा कि शिकायत करो कार्रवाई की जावेगी विदित होवे कि शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों को समय पर सुलभ हो इस हेतु स्थानीय ग्राम पंचायत प्रमुख भूमिका मे होता है लेकिन ग्राम पंचायत के कार्यालयों में कार्यालयीन समय पर ताला लटका हो तो फिर कुछ भी नहीं हो सकता। मंगलवार को ग्राम पंचायत गोगावाली, खेरी महलपुरा, लिंगा पिपरिया के कार्यालयों में ताले लटके मिले। जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को परेशानियां का सामना करना पड़ा।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में पीएमश्री शालाओं के शिक्षकों का आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डाइट नरसिंहपुर में किया गया। उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्कूली शिक्षा को मजबूती देने के लिए सरकारी पीएमश्री स्कूल ऐसे होंगे, जो ना सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर मजबूती से खड़े दिखेंगे बल्कि शैक्षणिक स्तर पर भी इनकी ऊंचाई देखने को मिलेगी। शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक अहम योजना अंतर्गत विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए पीएमश्री शालाओं के शिक्षकों का आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डाइट प्राचार्य एमए खान, प्रशिक्षण प्रभारी संजय शर्मा एवं एपीसी यजुवेंद्र सिलावट की उपस्थिति में डाइट नरसिंहपुर में किया गया। जिले की चयनित 8 पीएमश्री शालाओ से दो- दो शिक्षक एवं प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के विषयवार डीआरजी सम्मिलित हुए। कार्यशाला में शालाओं के शिक्षकों एवं डीआरजी द्वारा विषयवार कठिन बिंदुओं की पहचान कर उनके निवारण के लिए प्रारंभिक कार्य योजना तैयार की गई। आगामी प्रशिक्षण के लिए टीएलएम, पेडागॉजी, हैंड आउट आदि तैयार करने हेतु रणनीति तैयार की गई। 30 मई से एक जून तक तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण हेतु टीएलएम निर्माण, विषयवार हैंडआउट एवं उपचारात्मक शिक्षण हेतु रणनीति तैयार की जावेगी। कार्यशाला में डीआरजी नीरज वाजपेयी, बृजेश नेमा, एचपी कोरी, आरपी शर्मा, देवेंद्र पटेल, देवेंद्र ढिमोले, दीपक श्रीवास्तव, राजा नामदेव, अतुल शर्मा, पूरन गोस्वामी, अजय मेहरा, संगीता अवस्थी, राजकुमार रानाडे, एसएस पटेल व पीएमश्री के शिक्षकों ने सहभागिता दी।

जेल में न्यायाधीश द्वारा लीगल एड क्लीनिक का किया गया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

गत दिवस प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी के मुख्यातिथ्य एवं वैभव सक्सेना सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की उपस्थिति में केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में महिला सेल व पुरुष सेल में पृथक- पृथक लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस दौरान विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश ने विचाराधीन बंदियों एवं दोषसिद्ध बंदियो को प्राप्त विधिक अधिकारों के संबंध में अवगत कराया। जिला प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा बंदियों को निरूशुल्क प्रदान की जा रही विधिक सहायता पर चर्चा की। उन्होंने बंदियों को अवगत कराया कि लीगल एड क्लीनिक में जेल विजिटिंग लॉयर एवं पैरालीगल वॉलेंटियर नियुक्त रहेंगे जो विधिक सहायता प्रदान करने में सहायता करेंगे। बंदियों को स्वस्थ्य रहने एवं जेल में रहने के दौरान नया सीखते रहने की समझाईश दी और बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं एवं उन्हें दूर करने के लिए तत्काल संबंधितों को निर्देश दिये गये। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा इस अवसर पर महिला एवं पुरुष सेल व खुली जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान पाकशाला, अस्पताल, बैरक, मुलाकात कक्ष आदि का भी निरीक्षण किया और जेल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर उप अधीक्षक जेल नरेन्द्र व्यास, सहायक जेल अधीक्षक संतोष हरियाल, आशीष खरे एवं जेल स्टाफ व बंदीगण मौजूद थे।

केवल महुआ खरीद तक सीमित रह गई अपनी दुकान

तेंदूखेड़ा- सरकार के वन मंत्रालय ने जंगली आदिवासी क्षेत्रों में बस रहे आदिवासियों की आय में इजाफा कराने रोजगार दिलाने की मंशा से जंगलों से प्राप्त होने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को एकत्रित कर वन चोकियों में लाखों रुपए की लागत से बनाई गई अपनी दुकान में ले जाकर एक निर्धारित दरों पर विक्रय किया जाना है। इसमें 36 प्रकार की सामग्रियों को समाहित किया गया है। जिसमें महुआ चिरोंजी गाद हर्र बहेरा गुली विभिन्न प्रकार की छालें पत्ते प्रमुख रुप से शामिल हैं। जंगलों में रहने वाले आदिवासी इन्हें जंगलों से लाकर एक अच्छी अर्जित कर सकते हैं। लेकिन इस दिशा में वन समीतियों द्वारा अपेक्षाकृत प्रचार प्रसार ना करने के साथ साथ आदिवासी वर्ग द्वारा भी रुचि ना लेने की स्थिति में अपनी दुकानें केवल शोभा की सुपाड़ी बनकर रह गई है।केवल महुआ बीनकर ही उसी का विक्रय ही पिछले साल देखने को मिला था। लेकिन अन्य और कोई सामग्री यहां नहीं लाई जा रही है।

जर्जर भवनों में लग रहीं आंगनबाड़ी केन्द्र

कार्यकर्ता सहायिकाओं को नहीं मिल रही सुविधाएं

तेंदूखेड़ा- शासन की विभिन्न योजनाओं में धरातलीय स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से काम तो खूब लिया जाता है लेकिन उनके हितों को लेकर सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही है। इन कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब हम लोगों से शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करवाने को लेकर धरातल स्तर पर सहयोग लिया जाता है तो फिर समय पर मानदेय भी नहीं दिया जाता है। ऊपर से आंगनवाड़ी केन्द्र में गोदभराई, मंगल दिवस मनाये जाने को लेकर राशि भी अलग से नहीं दी जाती है ऐसी स्थिति में अलग से एक बोझ पड़ता है। विभागीय स्तर पर मोबाइल फोन तो उपलब्ध कराये गये हैं और इन्हीं के माध्यम से जानकारी भी दी जाती है लेकिन इनमें वेलेंस की व्यवस्था भी हमी कार्यकर्ताओं को करनी पड़ती है।पोषण आहार भी हर माह नहीं पहुंच रहा है।दो तीन माह में एक बार ही आ रहा है। और भी दवाएं जो बच्चों के स्वास्थ्य और गर्भवती महिलाओं के लिए भेजी जाती है वह भी नहीं आ रही है।

जर्जर भवन में लग रहीं आंगनवाड़ी- तेंदूखेड़ा सेक्टर में कुल छः आंगनवाड़ी केन्द्र आते हैं। इनमें तीन के स्वयं के भवन है तो तीन किराये के भवन में लग रहें हैं। स्वयं के भवनों की काफी गंभीर स्थिति बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 09 में ऊपर की छाप का प्लास्टर नीचे गिरने के कारण राडें स्पष्ट दिखाई देने लगीं हैं।इस प्लास्टर को नीचे गिरनें को लेकर अनहोनी का अंदेशा बना रहता है। छोटे छोटे बच्चों के बीच कभी भारी प्लास्टर ना गिर जाये की अशंका बनीं रहती है।यह विषय अनेकों बार समाचार पत्रों के माध्यम से सर्वत्र भी किया गया लेकिन आज तक विभागीय स्तर पर किसी ने भी सुध नहीं ली है। आंगनबाड़ी पटवारी मुहल्ला वार्ड क्रमांक 05 में स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में दरवाजे जहां तहां से टूटने के साथ उनमें शराबियों द्वारा खाली बाटले डाल दी जाती है। जहां तहां से छाप उखड़ने के कारण भवन की स्थिति भी काफी गंभीर बनी हुई है। बड़ी ही अजीबो-गरीब स्थिति यहां पर देखने को मिल रही है। शासन द्वारा प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र में विद्युत मीटर तो लगवा दिए हैं। कनेक्शन भी हो गये हैं। लेकिन सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्थिति यह देखने में आ रही है कि ना तो बल्ब है और ना ही पंखे फिर भी बिल हर माह आ रहे हैं। सबसे बड़ी एक और समस्या इन कार्यकर्ताओं के साथ चल रही है कि आंगनवाड़ी केन्द्र के अंतर्गत आने वाले कुपोषित बच्चों को एन आर सी भवनों में भर्ती करवाने या ढूंढ कर लाने का दबाव बनाया जाता है लेकिन कुपोषित बच्चों के पालक इन बच्चों को एन आर सी भवन में लेकर ही नहीं जाते हैं। और ना भर्ती करना चाहते हैं।

भवनों के आंगनवाड़ी केन्द्र खोलने की जरूरत तेंदूखेड़ा नगर परिषद क्षेत्र में बढ़ते जनसंख्या घनत्व को दृष्टिगत रखते हुए अधिकांश वार्डों में केंद्र खोले जाने की महती आवश्यकता है। छोटे छोटे बच्चों को मुख्य सड़क मार्गों से निकल कर काफी दूर इन केंद्रों पर जाना पड़ता है। वहीं वार्ड क्रमांक 11 में केंद्र खोले जाने को लेकर मांग काफी लंबे समय से चली आ रही है। और पूर्व में भी यहां से नये केंद्र खोले जाने के प्रस्ताव बनाकर भेजे भी गये हैं। लेकिन वे नक्कार खाने में तूती की आवाज बनकर रह गये हैं।